अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2021) दिनांक : 18.12.2021

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खण्ड)–30

प्र. 1 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) षडद्रव्य द्वार लिखें।

(ख) दृष्टांत द्वार-बंध से लेकर मोक्ष तक का विवेचन करें।

(ग) भाव की परिभाषा लिखते हुए औदायिक भाव व पारिणामिक भाव से लेकर अंत तक विवेचन करें।

(घ) विस्तार द्वार को प्रारम्भ से लेकर पांच वर्गों तक का वर्णन करें।

प्र. 2 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) आत्म द्वार।

(ख) भेद द्वार।

(ग) सावद्य निरवद्य द्वार।

(घ) लोकालोक द्वार।

(ङ) द्रव्य गुण व पर्याय की परिभाषा लिखते हुए विशेष गुणों के भेद के नाम लिखें।

(च) धर्मास्तिकाय, आकाशास्तिकाय व काल के द्रव्य-क्षेत्र-काल-भाव व गुण का वर्णन करें।

(छ) निर्जरा के अंतिम छह भेदों का वर्णन करें।

प्रतिक्रमण–20

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) वंदना सूत्र।

(ख) शक्र स्तुति।

(ग) सूत्र सहित यथासंविभाग व्रत और अतिचार।

(घ) सूत्र सहित आठवां व्रत और अतिचार।

प्र. 4 किन्हीं पांच प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) परपरिवाद शब्द का अर्थ लिखें।

(ख) चातुर्मासिक प्रतिक्रमण में कितने लोगस्स का ध्यान किया जाता है?

(ग) 'धर्म फल की प्राप्ति में मैंने अगर संशय किया' इसे एक शब्द में क्या कहते हैं?

(घ) चातुर्मासिक प्रतिक्रमण करके कोई भी एक वस्तु का त्याग कितने समय का किया जा सकता है?

(ङ) नारक व प्रत्येक वनस्पति काय की जीव योनि लिखें।

(च) छह आवश्यक का नाम लिखें।

कर्म-प्रकृति–25

प्र. 5 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) गोत्र कर्म भोगने के हेतु लिखें तथा इसकी स्थिति व अबाधा काल लिखें।

(ख) ज्ञानावरणीय कर्म बंध के हेतु का वर्णन करें।

(ग) प्रत्येक प्रकृति किस कर्म के अन्तर्गत आती है? इसकी परिभाषा लिखते हुए इसकी प्रकृतियों का नामोल्लेख करें।

(घ) अंतराय कर्म का अबाधा काल तथा लक्षण एवं कार्य लिखें।

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

(क) स्थावर दशक की अंतिम आठ प्रकृति के विषय में लिखें।

(ख) चारित्र मोह कर्म के लक्षण एवं कार्य का यंत्र बनाएं।

(ग) आयुष्य कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(घ) नाम कर्म की स्थिति, अबाधा काल एवं अशुभ नाम कर्म के अनुभाव लिखें।

(ङ) दर्शन मोह कर्म की प्रकृतियों की कार्य एवं स्थिति लिखें।

(च) असात वेदनीय कर्म बंध के हेतु तथा उसकी गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

गीतिका–कर्मों की सज्झाय–10

प्र. 7 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) ब्रह्मदत्त..... बांधो रे।।

(ख) आभा.....फन्द रे।।

(ग) साठ सहस्त्र.....ऐसा रे।।

(घ) बीस.....हारयो रे।।

प्र. 8 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 2

(क) सम्भूत नाम का.....चक्रवर्ती था। कर्मों के कारण वह समुद्र में फेंका गया। ....देव खड़े देखते रहे।

(ख) महावीर को किसने, कितने वर्षों तक दुःख दिया?

(ग) द्रौपदी पांच पुरूषों की पत्नी क्यों बनी?

पूर्व कंठस्थ-ज्ञान–15

प्र. 9 चार प्रश्नों के उत्तर दें–(प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर दें)– 12

(क) पच्चीस बोल–प्रथम दस दण्डक ***अथवा*** संवर का 7वें भेद से सोलहवें तक।

(ख) चतुर्भंगी–आश्रव के 20 भेद ***अथवा*** पन्द्रहवां बोल।

(ग) पच्चीस बोल की चर्चा–तेरहवें दण्डक से लेकर बीसवां दण्डक ***अथवा*** नौवां बोल।

(घ) तत्त्व चर्चा–नौ तत्त्व पर चोर साहूकार ***अथवा*** कर्म पर छह द्रव्य, नौ तत्त्व।

प्र. 10 कोई एक पद्य अर्थ सहित लिखें– 3

(क) सरधा दुर्लभ.....पाई रे।

(ख) समकित.....हि कर्म।।